आई आई एफ सी एल
I I F C L

शहरों में शहरी बुनियादी ढांचे को वित्तपोषित करना ताकि शुद्ध शून्य और जलवायु लचीलापन प्राप्त किया जा सके: चुनौतियाँ और अवसर

तारीख: 9 जुलाई 2025
स्थान: IIFCL बोर्ड रूम
समय: 10:30 AM से 2:30 PM IST

गोल मेज चर्चा से उभरती मुख्य बातें

- ✓ **सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और संस्थागत साझेदारियाँ:** NBFC-IFCs, बहुपर्याय एजेंसियों (विश्व बैंक, ADB, KfW), स्थानीय ULBs, बैंकों और अन्य हितधारकों के बीच एक सहयोगात्मक गठबंधन बनाया जा सकता है, जिसमें निम्नलिखित गतिविधियाँ की जाने वाली हैं:
    - सतत वित्तपोषण के अवसरों की पहचान करना० सतत वित्तपोषण स्रोतों से जुड़ना०
    - उनकी आवश्यकताओं की सराहना करना
    - हरे धोखाधड़ी को रोकना और संबंधित निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन प्रोटोकॉल
    - जलवायु जोखिम और अन्य अनुपालन के लिए सहयोग करना

- ✓ **अधिक व्यापक परियोजना तैयारी की आवश्यकता:** कई शहरों को बैंक योग्य परियोजनाओं की योजना बनाने, संरचना तैयार करने और उन्हें तैयार करने के लिए संस्थागत और तकनीकी समर्थन की आवश्यकता है। इसमें एकीकृत शहरी योजना, संग्रहित विशेषज्ञता तक पहुँच, प्रारंभिक स्तर की वित्तपोषण, और मजबूत परियोजना पाइपलाइन विकसित करने के लिए मानकीकृत मूल्यांकन प्रारूपों के साथ क्षमता निर्माण शामिल है।

- ✓ **स्विस समर्थन MRV और बैंक योग्य परियोजना पाइपलाइन के लिए:** सटीक निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन (MRV) ढांचे और प्रभाव आकलनों की आवश्यकता है ताकि वास्तविक स्थिरता परिणाम सुनिश्चित किया जा सके और शहरी बुनियादी ढांचों में हरा धोखाधड़ी या सामाजिक धोखाधड़ी से रोका जा सके। स्विस विकास और सहयोग एजेंसी ने जलवायु-जोखिम-परख परियोजनाओं की एक शेल्फ पेश की है जिसे वित्त पोषण के लिए सहयोगात्मक द्वारा विचार किया जा सकता है। उन्होंने MRV प्रणालियों को मजबूत करने और बैंक योग्य परियोजना विकास को समर्थन देने के लिए तकनीकी सहायता भी प्रस्तावित की है। यह भारत के विकासशील भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप, निवेश योग्य, जलवायु-संरेखित बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों की एक मजबूत पाइपलाइन बनाने में योगदान करेगा।

- ✓ **परियोजना तैयारी और जोखिम न्यूनीकरण उपकरणों को मजबूती प्रदान करें:** संरचित जोखिम न्यूनीकरण उपकरण—जैसे व्यावहारिक अंतर वित्तपोषण (VGF), क्रेडिट संवर्धन, और गारंटी—शहरी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की बैंकिंग क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से सुधार सकते हैं। MIGA, GuarantCo, और इसी तरह के संस्थानों से उपकरणों का अन्वेषण और उपयोग किया जाना चाहिए। संपत्ति कर संग्रहण, उपयोगकर्ता शुल्क बढ़ाने, और राजस्व आवंटन और समेकन के लिए स्पष्ट ढांचे की स्थापना से सतत बुनियादी ढाँचा वित्तपोषण के लिए एक मजबूत वित्तीय आधार बनेगा।

- ✓ **अगले कदम - निरंतर सहयोग और संलग्नता:** वर्तमान प्रयासों पर निर्माण करते हुए, निरंतर सहयोग की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, PFC द्वारा अगली बैठक की मेज़बानी की पेशकश सभी हितधारकों के बीच निरंतर संवाद के महत्व को उजागर करती है ताकि शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण को आगे बढ़ाया जा सके।